प्रेरणा
अपने आप में मस्त रहो
और काम में व्यस्त रहो
जिंदगी में क्या पता
कौन कब बदल जाए..

सच कहने की ताकत — साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-5 • 10 NOVEMBER TO 16 NOVEMBER 2023 • VOLUME 16 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING | DESIGN | TRAINING
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges & *Pay Money after the Visa
•IELTS •STUDY ABROAD
CANADA · AUSTRALIA · USA · U.K · SINGAPORE · EUROPE
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

दिल्ली-हरियाणा की फार्मा फैक्टरियों में चल रहे ग़ैर-कानूनी नैटवर्क का पर्दाफाश

6 लाख बिना लेबल वाले टीकों, 3.24 लाख फार्मा ओपीऔडज़ और 2.20 लाख रुपए की ड्रग मनी के साथ निर्माता समेत सात व्यक्ति गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर नशों के विरुद्ध शुरु की जंग के दौरान फार्मा ओपीऔडज़ के ख़िलाफ़ मिली ख़ुफिया जानकारी पर कार्यवाही करते हुये पंजाब पुलिस ने दिल्ली और हरियाणा स्थित फार्मा फ़ैक्टरियों से ग़ैर- कानूनी ओपीऔडज़ मैनुफ़ेक्चरिंग और सप्लाई के अंतरराज्यीय नैटवर्क का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहाँ डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। यह कार्यवाही फतेहगढ़ साहिब पुलिस की तरफ से अम्बाला, हरियाणा के स्थानीय नशा तस्कर गौरव सिंह उर्फ काला, जिसको 44 लीगेसिक और 44 ऐवील इंजैकशनों सहित गिरफ्तार किया गया था, की गिरफ्तारी के उपरांत इस मामले के अगले- पिछले संबंधों की तीन महीनों की बारीकी से जांच के बाद अमल में लाई गई है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि सप्लायर की गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच करते हुये फतेहगढ़ पुलिस की टीमों ने दिल्ली के ग़ैर-कानूनी फार्मा निर्माता सुमित अग्रवाल जो कि पैकसनज़ फार्मास्यूटीकलज़ प्राईवेट लिमटिड का मालिक है और जिसकी यूनिटें दिल्ली के रोहणी और हरियाणा के बहादुरगढ़ में हैं, को ट्रेस करने और गिरफ्तार करने में कामयाब हुई। उन्होंने बताया कि सी. आई. ए. फ़तेहगढ़ साहिब के पुलिस मुलाजिमों और दो ड्रग इंस्पेक्टरों की टीम ने अपने स्थानीय ड्रग इंस्पेक्टर

की मौजूदगी में बहादरगढ़ स्थित फार्मा फैक्ट्री पर छापा मारा और फैक्ट्री में से लगभग 6 लाख बिना लेबल वाले टीकों समेत कई ग़ैर-कानूनी व्यापारिक, वित्तीय, ट्रांसपोर्ट दस्तावेज़ बरामद किये। यह बरामदी इस मामले में पहले हुई 3.24 लाख गोलियों/ कैपसूल/ टीकों/ शीशियों और 2.20 लाख रुपए की ड्रग मनी की बरामदगी के इलावा है। इस मामले में अब तक पुलिस टीमें 7 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर चुकी हैं। गिरफ्तार किये गए पाँच अन्य मुलजिमों की पहचान मुहम्मद अरबाज, मुहम्मद सलमान, मुहम्मद साहबेज़, राकेश कुमार और घनश्याम शर्मा के तौर पर हुई है।

इंस्पेक्टर जनरल आफ पुलिस (आईजीपी) रोपड़ रेंज गुरप्रीत सिंह भुल्लर, जो एस. एस. पी फतेहगढ़ साहिब डा. रवजोत कौर ग्रेवाल के साथ प्रैस कान्फ्रेंस को संबोधन कर रहे थे, ने बताया कि गौरव की गिरफ्तारी के बाद फतेहगढ़ साहिब पुलिस ने ग़ैर- कानूनी कैमिस्टों, फार्मेसियों, गोदामों में छापेमारी की जिस कारण मुहम्मद अरबाज, मुहम्मद सलमान और मुहम्मद साहबेज़ समेत तीन और सप्लायरें को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि इन तीनों सप्लायरें से पूछताछ के दौरान यह बात सामने आई कि वह आगरा से नशीले पदार्थों की खरीददारी कर रहे थे। पुलिस टीमों ने एक अन्य मुलजिम को गिरफ्तार किया है जिसकी पहचान राकेश कुमार के तौर पर हुई है, जिसका आगरा में नशीले पदार्थों का ग़ैर- कानूनी गोदाम है। आईजीपी ने बताया कि गिरफ्तार किये गए मुलजिम राकेश ने आगे खुलासा किया कि वह गाजियाबाद के लोनी देहत के व्यक्ति के संपर्क में था जिसकी पहचान घनश्याम शर्मा के तौर पर की गई है जोकि नशीले पदार्थों का थोक विक्रेता है और उसकी श्री श्यामा नामक अपनी मैडीकल एजेंसी भी है।

उन्होंने आगे बताया कि घनश्याम को 02 नवंबर, 2023 को गिरफ्तार किया गया था जिससे नशीले पदार्थों के निर्माता सुमित अग्रवाल की गिरफ्तारी करने में सफलता मिली। इस सम्बन्धी एफआईआर नं. 60 तारीख़ 12. 08. 23 को एन. डी. पी. एस एक्ट की धारा 22 सी के अंतर्गत थाना मूलेपुर फतेहगढ़ साहिब में मामला दर्ज किया गया है।

पंजाब की जेलों में मैंटल हैल्थ इंटरवैंशन प्रोग्राम की शुरुआत

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा पंजाब की जेलों में सुधार लाने के लिए इनको सुधार केंद्र बनाने के संकल्प के साथ पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने राज्य की जेलों में मैंटल हैल्थ इंटरवैंशन प्रोग्राम शुरू किया।

आज यहाँ म्युनिसिपल भवन सैक्टर-35 में करवाए गए राज्य स्तरीय समारोह के दौरान प्रोग्राम का आग़ाज़ करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि इस पहल से पंजाब की चार जेलें लुधियाना, गुरदासपुर, पटियाला और अमृतसर में कैदियों को स्क्रीनिंग, काउंसलिंग और रैफरल सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यह प्रोजैक्ट जल्द ही पंजाब की सभी जेलों में लागू किया जायेगा। वल्ड हैल्थ पार्टनर्स के सहयोग से इन केन्द्रों में काउंसलर भर्ती किये गए हैं, जो जेल में नज़रबंद व्यक्तियों और कैदियों की मानसिक सेहत में सुधार लाने के उद्देश्य से उनकी काउंसलिंग करेंगे।

डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि यह पहल मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 को लागू करने सम्बन्धी हमारी प्रतिबद्धता को और अधिक मज़बूत करेगी, जिससे हर राज्य सरकार के लिए जेलों के मेडिकल विंग में मानसिक स्वास्थ्य सुविधा होना अनिवार्य हो जायेगी।

कैदियों को दरपेश मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में बताते हुए डॉ. बलबीर सिंह कहा कि खुदकुशी कैदियों के दरमियान मानसिक रोगों का मुख्य कारण है।

4 से 22 दिसंबर तक चलेगा संसद का शीतकालीन सत्र, होंगी 15 बैठकें

नई दिल्ली. संसद का शीतकालीन सत्र दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू होने वाला है और क्रिसमस से पहले समाप्त हो जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सत्र 4 दिसंबर से शुरू होकर 22 दिसंबर तक चलेगा। जोशी ने आगे कहा कि शीतकालीन सत्र में कुल 15 बैठकें होंगी और यह 19 दिनों तक चलेगा। उन्होंने कहा, "अमृत काल के बीच मैं सत्र के दौरान विधायी कामकाज और अन्य विषयों पर चर्चा का इंतजार कर रहा हूं।"

सितंबर में आयोजित विशेष सत्र के बमुश्किल दो महीने बाद शीतकालीन सत्र निर्धारित किया गया है। चर्चा के लिए पेश किए गए पांच विधेयकों में से विशेष सत्र के दौरान केवल एक विधेयक – नारी शक्ति वंदन अधिनियम – पारित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अपनी मंजूरी पर हस्ताक्षर करने के बाद 28 सितंबर को यह विधेयक अधिनियम बन गया, जिससे संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हो गया।

विशेष सत्र से पहले, अटकलें लगाई जा रही थीं कि सरकार केवल "भारत" के उपयोग से संबंधित एक विधेयक को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी। एक और अटकलें यह थीं कि केंद्र 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' नीति पर एक विधेयक पारित करने का प्रयास करेगा। हालाँकि, उनमें से कोई भी पेश नहीं किया गया।

पीएम मोदी डिग्री केस में अरविंद केजरीवाल की रिव्यू पिटीशन खारिज

अहमदाबाद. गुजरात हाई कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें अदालत के 31 मार्च के फैसले को चुनौती दी गई थी कि गुजरात विश्वविद्यालय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक डिग्री के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए बाध्य नहीं है। गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा 2016 के केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के आदेश को पलटने के बाद केजरीवाल ने एक समीक्षा याचिका दायर की थी, जिसमें गुजरात विश्वविद्यालय को मोदी की डिग्री का विवरण प्रदान करने का आदेश दिया गया था। सीआईसी का आदेश सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत

केजरीवाल के एक आवेदन पर पारित किया गया था।

न्यायाधीश बीरेन वैष्णव ने गुरुवार को 18 पेज के आदेश में कहा कि अदालत इस बात से अवगत है कि समीक्षा की मांग करना कानून में उपलब्ध एक उपाय है और हो सकता है, लेकिन उसमें उठाए गए आधारों और तर्कों को देखते हुए यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदक ने इस उपाय को पूरी तरह से लागू करने की मांग की है।

अध्यापक व पंच का फर्जी सर्टिफिकेट रद्द

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य में अनुसूचित जातियों के हितों की रक्षा के लिए वचनबद्ध है। इस दिशा में काम करते हुए जसवीर सिंह पुत्र निशान सिंह

निवासी घनौर, तहसील, जिला पटियाला (ई. टी. टी.टीचर तैनाती बलटाना जीरकपुर एस.ए.एस. नगर) फर्जी पिछडी श्रेणी सर्टिफिकेट और पंच मिट्ठू राम पुत्र जानी राम गांव सुरल कलां, जिला पटियाला का फर्जी अनुसूचित जाति सर्टिफिकेट सरकारी स्तर पर गठित राज्य स्तरीय स्क्रूटनी कमेटी द्वारा खारिज कर दिया गया है।

सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक मंत्री डा. बलजीत कौर ने कहा कि बलवीर सिंह पुत्र निर्मल सिंह, गांव आलमपुर, पटियाला ने डायरैक्टर सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक विभाग के पास शिकायत दर्ज करवाई थी कि जसवीर सिंह हरियाणा से आकर शादी के बाद यहां का निवासी बन गया और उसने पंजाब राज्य का पिछडी श्रेणी सर्टिफिकेट बनवा लिया। इस सर्टिफिकेट के आधार पर उसने शिक्षा विभाग में शिक्षक की नौकरी प्राप्त की है। शिकायतकर्ता ने जसवीर सिंह का पिछडी श्रेणी सर्टिफिकेट रद्द करने और उसके खिलाफ कार्रवाई के लिए कहा है।

कतर में 8 पूर्व नौसैनिकों को मौत की सजा के मामले में भारत ने दाखिल की अपील

नई दिल्ली. कतर में हाल में भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को मौत की सजा सुनाए जाने के मामले में भारत की लीगल टीम ने एक अपील फाइल की है। हाल में भारतीय एंबेसी को पूर्व नौसैन्य कर्मियों से मिलने के लिए एक कांसुलर पहुंच भी दी गई थी। यह जानकारी ने भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार (9 नवंबर) को दी। अरिंदम बागची ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कहा, 'एक कोर्ट ऑफ फर्स्ट इंस्टेंस होता है कतर में, जिन्होंने अल-दहरा कंपनी के आठ कर्मियों को 26 अक्टूबर को जजमेंट दिया था, जजमेंट कॉन्फिडेंशियल है और सिर्फ लीगल टीम के साथ शेयर किया गया है।' बागची ने कहा कि लीगल टीम की ओर से एक

अपील फाइल की गई है।

बागची ने कहा, '7 नवंबर को हमारी एंबेसी को एक और राउंड ऑफ कांसुलर एक्सेस मिली, हम आठ लोगों से मिले और हम उनके फैमिली मेंबर के साथ भी कॉन्टैक्ट में हैं। पिछले हफ्ते या इसी महीने के पहले विदेश मंत्री जी ने उनके फैमिली मेंबर से दिल्ली में मुलाकात की थी।' प्रवक्ता ने कहा कि हम जितना हो सके, हम लीगल और कांसुल असिस्टेंस उनको देते रहेंगे। मैं ये कहना चाहूंगा कि यह मामला बहुत ही संवेदनशील है।

अत्तूबर महीने में बिल अपलोड करके 216 विजेताओं ने जीते ईनाम : चीमा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहाँ बताया कि अक्तूबर 2023 के महीने के दौरान 216 विजेताओं ने 'बिल लाओ ईनाम पाओ' योजना के अंतर्गत 'मेरा बिल ऐप' पर अपने खरीद बिलों को अपलोड करके 12,43,005 रुपए के ईनाम जीते। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा गठित समिति द्वारा इस योजना के अंतर्गत ऑनलाइन लक्की ड्रॉ निकाला गया है।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि इन विजेताओं में से टैक्सेशन ज़िला लुधियाना से सबसे अधिक 40 विजेताओं ने 2,36,815 रुपए के ईनाम जीते, जबकि दूसरे स्थान पर टैक्सेशन ज़िला जालंधर के 22 विजेताओं ने 1,34,550 रुपए के ईनाम जीते। वित्त मंत्री ने कहा कि इस योजना को राज्य के अलग-अलग हिस्सों से मिला भरपूर प्रोत्साहन इस बात से स्पष्ट होता है कि 13 विजेता टैक्सेशन जिला अमृतसर से, 10 टैक्सेशन ज़िला श्री मुक्तसर साहिब से, 9-9 टैक्सेशन ज़िला कपूरथला, मोगा, पठानकोट, रूपनगर और तरनतारन से, टैक्सेशन जिलों बरनाला, मानसा, पटियाला और साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर से 8-8 बठिंडा, फतेहगढ़ साहिब, फिरोज़पुर और होशियारपुर टैक्सेशन जिलों में से 7-7 टैक्सेशन ज़िला शहीद भगत सिंह नगर से 6 और 5-5 टैक्सेशन जिलों फरीदकोट, फाजिल्का, गुरदासपुर और संगरूर से हैं।

शिक्षा, शोध, उत्पाद और सेवा के माध्यम से वैश्विक स्तर पर तैयार किया जा रहा है आयुर्वेद चिकित्सा तंत्र का ताना बाना : सर्बानन्द सोणोवाल

बोले- नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 आधुनिक भारत को विश्व गुरु बनने की राह पर ले जाने वाले बड़े कदम के रूप में साबित होगी

• **जालंधर ब्रीज.** पंचकुला

शिक्षा, शोध, उत्पाद और सेवा के माध्यम से वैश्विक स्तर पर एक संगठित आयुर्वेद तंत्र का निर्माण आयुष मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। हरियाणा के पंचकुला में आठवें आयुर्वेद दिवस महापर्व के संदर्भ में हो रही कॉनफेरेंस के उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय आयुष मंत्री श्री सर्बानन्द सोणोवाल ने यह बात कही। आयुर्वेद चिकित्सा हजारों साल पुरानी एक संस्कृति का हिस्सा है और प्राचीन काल से यह भारत के समाज, शिक्षा, सेवा और जीवनचर्या के रूप में मौजूद रही है। श्री सोणोवाल ने कहा कि हाल ही में जी20 की बैठक में भारत ने 'वसुधैव कुटुंबकम' का संदेश सदस्य देशों के सामने प्रस्तुत किया जिसे सभी की सहमति प्राप्त हुई और जी20 डिक्लेरेशन के जरिए एक अभूतपूर्व सफलता हासिल हुई। नए-नए प्रयोगों

को लेकर लगातार आगे बढ़ते रहने की सोच जिनमें से आयुष का विकास भी एक है, भारत को एक विकासशील देश से विश्व के पाँचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में बदल दिया है। युवा और जन सामान्य सभी कृषि, बागबानी और पशु चिकित्सा से जुड़े आयुर्वेद के उत्पादों का व्यावसायिक निर्माण कर सफल स्टार्टअप्स का निर्माण कर सकते हैं। ऐसे स्टार्टअप्स के बनने और बढ़ने से भारत की अर्थव्ययवस्था एक आत्म निर्भर अर्थव्यवस्था बन कर और मजबूत बन सकेगी।

'आयुर्वेद दिवस' के सदर्भ में हो रही कॉनफेरेंस के उद्घाटन में केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री श्री मुंजपरा महेंद्रभाई भी विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद रहे। श्री मुंजपरा ने कहा कि 'स्वास्थ्य' सेवा का विकास सरकार की जिम्मेदारी है और आयुर्वेद चिकित्सा की खास बात है कि वो स्वस्थ रहने के लिए जन सहभागिता पर जोर देती है। आयुर्वेद को जीवनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वास्थ्य जगत की सर्विस डिलवरी को और अधिक मजबूत किया जा सकता है

समारोह के विशेष अतिथि आयुष मंत्रालय के सचिव पद्मश्री वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि आयुर्वेद ज्ञान का एक कभी न समाप्त होने वाला खजाना है जो समय और संस्कृति के अनुसार आगे बढ़ता रहता है। आज हम इसी उद्देश्य से यहाँ उपस्थित हुए हैं कि आयुर्वेद की इस संस्कृति को हम जन स्वास्थ्य की वैश्विक सोच के साथ कैसे आगे बढ़ा सकते हैं। आयुष मंत्रालय के प्रयासों से 'आयुर्वेद फॉर वन हेल्थ' संदेश के साथ एक माह का वैश्विक अभियान आज पूरा हुआ। पूरी दुनिया से करोड़ों की संख्या में लोग इस अभियान से जुड़े और आयुर्वेद के जरिए मानव, जीव-जन्तु, पर्यावरण और पेड़-पौधे कैसे स्वस्थ रह कर एक अनोखे आयुर्वेद तंत्र का निर्माण कर सकते हैं, इस बात को समझा। कॉनफेरेंस के साथ ही 'आयुर्वेद महापर्व' एक्सपो और आठ राज्यों की नेशनल आयुष मिशन (एनएएम) की रिव्यू मीटिंग भी आयोजित की गई। देश भर से आए आयुर्वेद उत्पाद निर्माताओं, स्टार्ट अप्स और आयुर्वेद प्रोफेशनल्स ने अपने उत्पाद प्रस्तुत किए।

नेशनल आयुष मिशन (एनएएम) की बैठक में सभी आठ राज्यों के कार्य और गतिविधियों की समीक्षा की गई और नेशनल आयुष मिशन को सफल बनाने के लिए आयुष मंत्रालय ने सभी राज्यों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया और उद्घाटन समारोह के दौरान ही आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्री माती कविता गर्ग ने आठों राज्यों में आयुष मिशन की विभिन्न गतिविधियों और प्रगति पर एक समीक्षात्मक प्रस्तुति दी।

जायकेदार खाने का स्वाद चखना है... पहुंच जाएं पुरानी दिल्ली

TRAVELING

पुरानी दिल्ली में शॉपिंग के लिए काफी जगह हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यहां मिलने वाले खाने का स्वाद चखने लोग दूर-दूर से आते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

राजधानी दिल्ली दो हिस्सों में बटी हुई है, एक नई दिल्ली और दूसरा पुरानी दिल्ली। पुरानी दिल्ली की गलियों का रुख एक बार आपको जरूर करना चाहिए। यहां पर शॉपिंग के लिए कई ऑप्शन हैं। इसके अलावा पुरानी दिल्ली में आप जायकेदार खाने का स्वाद भी चख सकते हैं। इस जगह पर कई ऐसी खाने की जगह हैं जो सालों पुरानी हैं। जानिए पुरानी दिल्ली की उन जगहों के बारे में जहां पर आप टेस्टी खाने का स्वाद चख सकते हैं और जहां दूर-दूर से लोग आते हैं।

जामा मस्जिद- जायकेदार खाने का स्वाद चखने के लिए आप जामा मस्जिद पहुंच सकते हैं। यहां पर आप टेस्टी बिरयानी का स्वाद चख सकते हैं। अगर आप चिकन-मटन खाने के शौकीन हैं तो इस जगह पर जरूर जाएं। जामा मस्जिद के पास आप शॉपिंग के लिए दरियागंज बाजार और मीना बाजार जा सकते हैं।

चांदनी चौक- शॉपिंग के लिए चांदनी चौक एक बेहद फेमस जगह है। यहां आप मेट्रो से बड़ी ही आसानी से पहुंच सकते हैं। यहां की पुरानी मिठाई की दुकानों से जलेबी, रबड़ी जैसी चीजों को खा सकते हैं। इसके अलावा यहां की पुरानी दुकानों पर मिलने वाले गोल गप्पे जरूर ट्राई करें।

पहाड़गंज मार्केट- खाने पीने के मामले में पहाड़गंज मार्केट भी काफी फेमस है। यहां पर कई पुरानी दुकाने हैं जहां पर राजमा चावल, चुर-चुर नान और छोले भटूरे काफी फेमस है। दूर-दूर से लोग यहां खाने का स्वाद चखने के लिए आते हैं।

फतेहपुरी मस्जिद- यहां पर आपको भारत की सबसे पुरानी हलवाई की दुकान मिलेगी। जहां पर आपको तरह-तरह की मिठाईयों का स्वाद चखने का मौका मिलेगा। ये मिठाईयां देसी घी से बनी होती हैं।

नई सड़क- पराठे वाली गली के बारे में एक ना एक बार आपने जरूर सुना होगा। ये गली चांदनी चौक के नई सड़क पर है। यहां पर आप घी में बने तरह तरह के पराठों का स्वाद चख सकते हैं।

LESSON+

पक्षियों से सीखें सक्सेस मंत्र

तस्वीर साभार Google

मुश्किलें हर व्यक्ति के जीवन में आती हैं। जो इन मुश्किलों से डरकर अपने कदम पीछे खींच लेता है, उन्हें सफलता का स्वाद चखने के लिए कभी नहीं मिलता है। लेकिन जो व्यक्ति इन मुश्किलों का डटकर सामना करता है, सफलता के मोती उसी की झोली में गिरते हैं। आप अपने जीवन के संघर्षों को पूरी तरह खत्म तो नहीं कर सकते हैं लेकिन उन्हें कम और आसान जरूर बना सकते हैं।

बगुला- बगुला पक्षी की खासियत होती है कि वो अपनी सभी इंद्रियों पर काबू करना अच्छी तरह जानता है। चाणक्य के अनुसार संयम सफलता की पहली सीढ़ी होती है। प्रत्येक व्यक्ति को बगुला की ही तरह अपनी इंद्रियों पर काबू पाने का हुनर सीखना चाहिए। जो व्यक्ति ऐसा कर पाता है, उसका मन सदैव शांति रहने के साथ अपने लक्ष्य से कभी नहीं भटकता है। ऐसा व्यक्ति अपनी एकाग्रता के साथ जीवन में आगे बढ़ता है, जिससे उसके सफलता पाने के आसार बढ़ जाते हैं।

कोयल- आपकी वाणी आपकी पहचान होती है। कोई भी मनुष्य अपनी वाणी से ही पराये व्यक्ति को अपना और अपनों को पराया बना सकता है। कोयल अपनी मधुर वाणी की वजह से लोगों के बीच पसंद की जाती है। ठीक उसी तरह प्रत्येक व्यक्ति को भी अपने अंदर कोयल के इस गुण को पैदा करना चाहिए। ध्यान रखें कि अगर आप किसी दूसरे व्यक्ति के लिए अच्छा नहीं बोल सकते तो चुप रहकर बुरा भी नहीं बोलें। चाणक्य के अनुसार जिस व्यक्ति की वाणी मीठी होती है उसकी तरफ हर कोई आकर्षित होता है, जो भविष्य में सफलता का रास्ता आसान बनाने में मदद कर सकता है।

मुर्गा- अगर आप जीवन में सफलता पाना चाहते हैं तो मुर्गे से दिन की शुरूआत जल्दी करने का यह गुण सीखें। प्रत्येक मानव को सूर्योदय से पूर्व उठना, जीवन के संघर्षों का डटकर मुकाबला करना जैसे गुण मुर्गे से सीखने चाहिए। चाणक्य के अनुसार कामयाबी हासिल करने के लिए हर व्यक्ति में ये गुण होने बहुत जरूरी है।

कौआ- कौवे हमेशा अकेले में अपना भोजन इकठ्ठा करता है। वह कभी आलस नहीं करता है और ना ही आसानी से किसी पर भरोसा करता है। सफलता हासिल करने के लिए हर मनुष्य को यह गुण कौआ से सीखना चाहिए। अपने लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते हुए व्यक्ति को सदैव सावधान रहते हुए हर किसी पर जल्दी विश्वास नहीं करना चाहिए।

चील- चील से व्यक्ति किसी भी चुनौती को बिना टाले करने का गुण सीख सकता है।जीवन में आने वाली हर चुनौती नए कौशल को सीखने, बढ़ने और मजबूत होने के अवसर अपने साथ लाती है। ईगल शिकार करते समय अपना ध्यान और दृष्टि एक जगह केंद्रित रखती है। आप भी अपने लक्ष्य को निर्धारित करके उसे हासिल करने तक उन पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। ध्यान रखें, एक समय में एक ही चीज पर ध्यान केंद्रित करें।

कोफ्ता बनाना लगता है कठिन तो फॉलो करें ये सिंपल टिप्स

आमतौर पर महिलाएं कोफ्ते को बनाने के लिए बस बेसन की पकौड़ी वाली तकनीक अपनाती हैं। पकौड़ियों को तलकर ग्रेवी में डाल देती है लेकिन परफेक्ट कोफ्ता बनाने के लिए ये टिप्स काम आएंगे।

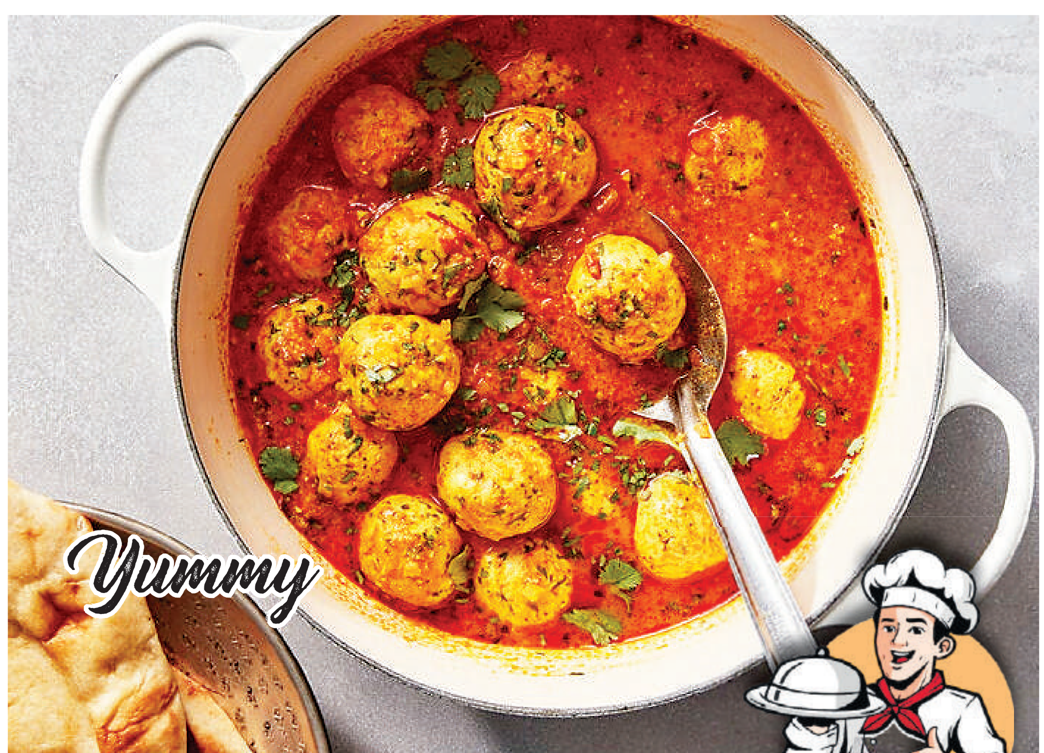

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

कोफ्ता बनाना बहुत सारे लोगों को मुश्किल भरा लगता है। वहीं कुछ महिलाएं लौकी या गोभी के पकौड़े बनाकर उसे ग्रेवी में डाल देती हैं। लेकिन अगर आप कोफ्ता बनाने का सही तरीका नहीं जानते हैं तो ये टिप्स आपके काम आ सकती हैं। जिसकी मदद से आप लौकी, गोभी या पनीर, सारे तरीके के कोफ्ता आसानी से बना लेंगे।

कोफ्ता बनाते रखे ध्यान

- लौकी का कोफ्ता बनाते वक्त कच्चे बेसन की बजाय बेसन को भूनकर इस्तेमाल करें। इससे कोफ्ते ज्यादा टेस्टी बनते हैं और आसानी से बंधते हैं।
- पनीर का कोफ्ता बनाते वक्त उबले आलू को साथ में कद्दूकस कर लें। फिर दोनों को मिक्स करके बॉल बनाएं।
- इसकी बाइंडिंग के लिए हमेशा मैदे का इस्तेमाल करें। या फिर कॉर्नस्टार्च भी अच्छा ऑप्शन है।
- पनीर के कोफ्ते तलते समय फटे नहीं इसलिए सूखे मैदा में कोफ्ते को लपेटकर दस मिनट के लिए छोड़ दें। फिर इन्हें तले।
- गोभी का कोफ्ता बनाते समय ध्यान रखे कि गोभी अच्छी तरह से कद्दूकस की हुई हो। साथ ही गोभी में नमक डालकर रख दें। जिससे गोभी पानी छोड़ दे और गोभी को निचोड़कर इस्तेमाल करें।
- सफेद ग्रेवी वाले कोफ्ते बनाने के लिए बाइंडिंग के समय मैदा का इस्तेमाल करें।
- कोफ्ता बनाने के लिए कच्चे की बजाय भुने बेसन से स्वाद ज्यादा बढ़िया आता है।
- कोफ्ता को तेल में डालते वक्त ध्यान रखे कि तेल ज्यादा तेजी से गर्म ना हो। नहीं तो कोफ्ते अंदर से नहीं पकेंगे और ऊपर से जल जाएंगे। हमेशा मध्यम गर्म आंच पर ही कोफ्तों को तेल में डालें।

ये हैं बिगड़े बच्चों के लक्षण, सुधार लें वर्ना आपका दुलार पड़ सकता है भारी

PARENTING

हर कोई चाहता है कि उनका बच्चा जहां जाए उसकी तारीफ हो। साथ ही उनके संस्कारों की भी। हद से ज्यादा प्यार और केयर बच्चे के बिगड़ने की वजह बन जाता है। कहीं आप ये गलतियां तो नहीं कर रहे?

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

बच्चा पालना और उन्हें अच्छे संस्कारों के साथ बड़ा करना आसान काम नहीं। हर मां-बाप चाहते हैं कि बच्चों को सारे सुख-सुविधाएं दें। कई बार बच्चों की जिद और रोने-धोने के आगे पेरेंट्स को हर जिद पर हां बोलना ठीक लगता है। लेकिन आगे चलकर आपकी ये नरमी बच्चों का भविष्य बिगाड़ सकती है।

पेरेंट्स पर डिपेंड होते हैं बिगड़े बच्चे : रिसर्च के मुताबिक, बिगड़े बच्चे अपने मां-बाप पर ज्यादा निर्भर रहते हैं। वे अपनी जिंदगी के फैसले खुद नहीं ले पाते और खुशी के लिए दूसरों के मोहताज होते हैं। अपने मन की चीजें हासिल करने के लिए वे कुछ भी कर सकते हैं।

• बात-बात पर गुस्सा आना • किसी की बात न मानना • दूसरों से जल्दी दोस्ती न कर पाना • बच्चा जल्दी किसी के साथ घुलता-मिलता नहीं है • कोई भी गिफ्ट वगैरह मिलने पर शुक्रगुजार न होना • खुद से अपना कोई काम न कर पाना • बच्चे का हर बात पर धमकियां देना या इमोशनली ब्लैकमेल करना • आप उन्हें कुछ समझाएं तो मुंह फूल जाता है • अपनी गलती नहीं मानते हैं • घर की बातों में ज्यादा दखल देना

ये हैं वजहें : आप उनकी हर डिमांड तुरंत पूरी कर देते हैं • हर वक्त बच्चे की मदद के लिए हाजिर रहते हैं • किसी काम को करने के लिए उन्हें लालच देते हैं • महंगे खिलौने, गैजेट्स उनके मुंह से निकलते ही हाजिर कर देते हैं • आप उनके सामने बड़ों के लिए गलत बोलते या उन्हें झिड़क देते हैं • अपने पार्टनर को उनके सामने बेइज्जत करते हैं।

न करें जिद पूरी : बच्चों के रोना बंद करने के लिए उनकी हर जिद पूरी न करें। उन्हें समझाएं कि वे जब तक अपना व्यवहार नहीं सुधारेंगे उन्हें वो चीज नहीं दी जाएगी।

झूठी तारीफ से न दें खुशी : अगर आपका बच्चा किसी चीज में पीछे रह जाता है तो इस डर से झूठी तारीफ न करें कि उसे बुरा लगेगा। उसे समझाने का दूसरा तरीका निकाल सकते हैं।

सिखाएं पैसों की कद्र : बच्चे को बेहिसाब पैसा खर्च न करने दें। हमेशा पैसे जोड़ना सिखाएं। घर में पैसे की तंगी बच्चे से डिसकस न करें लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि क्या चीज जरूरी है।

अपने काम करना सिखाएं : बच्चे को छोटे-मोटे काम खुद करने दें। ऐसे वे ज्यादा जिम्मेदार बनेंगे।

आपके फेफड़ों को ही नहीं आंखों और कान को भी नुकसान पहुंचा सकता है बढ़ता प्रदूषण

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

HEALTH

क्या आप यह बात जानते हैं कि बढ़ता वायु प्रदूषण न सिर्फ फेफड़े बल्कि आपकी आंख और कान को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

हर साल की तरह इस बार भी बढ़ता वायु प्रदूषण सेहत के लिए कई तरह के खतरे लेकर आ रहा है। प्रदूषित हवा में सांस लेने की वजह से ना सिर्फ बुजुर्ग बल्कि छोटे बच्चे भी सेहत से जुड़ी कई तरह समस्याएं झेल रहे हैं। प्रदूषण को सबसे ज्यादा असर फेफड़ों पर पड़ता है। जिसकी वजह से व्यक्ति को सांस लेने में परेशानी होने लगती है। हालांकि इस बात को ज्यादातर सभी लोग जानते होंगे। लेकिन क्या आप यह बात जानते हैं कि बढ़ता वायु प्रदूषण न सिर्फ फेफड़े बल्कि आपकी आंख और कान को भी नुकसान पहुंचा सकता है। जी हां, मेडिकल एक्सपर्ट की मानें तो खराब वायु गुणवत्ता की वजह से लोगों की आंखों के साथ अब कान पर भी बुरा असर पड़ने लगा है।

एक्सपर्ट की माने तो बढ़ता वायु प्रदूषण न सिर्फ व्यक्ति के फेफड़ों पर बल्कि उसकी आंखों और कानों की सेहत को भी खतरे में डाल रहा है। नाक और मुंह की तरह आंखों और कान को ढकना काफी मुश्किल है। जिसकी वजह से फेफड़ों की ही तरह आंखों और कान पर भी वायू प्रदूषण का बुरा असर पड़ता है। यह समस्या बच्चों और बड़ों, दोनों के लिए परेशानी का कारण है, खासकर उन लोगों के लिए जो शहरों में रहते हैं और जहां पॉल्युशन की मात्रा अधिक बनी रहती है।

वायु प्रदूषण से होने वाली आंखों की समस्याएं-

- प्रदूषित हवा आंखों से जुड़ी कई समस्याओं का कारण बन सकती हैं जैसे-
- सालों तक प्रदूषण के संपर्क में रहने से कॉर्निया को क्षति पहुंचती है, हालांकि यह तुरंत नहीं होता है। लेकिन अगर लंबे समय तक ड्राई आई की समस्या बनी रहती है, तो यह कॉर्निया को क्षतिग्रस्त कर सकती है, जिससे लंबे समय में दृष्टि प्रभावित होती है।
- प्रदूषण की वजह से आंखों पर खुजली होने पर आंखों को रगड़ने से भी कॉर्निया पर असर पड़ता है।
- जो लोग कांटैक्ट लेंस पहनती हैं, उन्हें जोखिम और बढ़ जाता है, क्योंकि उनकी आंखें पहले से ही ड्राई होती है।
- प्रदूषण के कण आंखों को ड्राई बनाकर आंखों में खुजली, जलन और चुभन का कारण बन सकते हैं।
- प्रदूषण के कण आंखों में इन्फेक्शन का कारण बन सकते हैं, जिससे आंखों की पुत्तली और ज्यादा खराब हो सकती है।
- बढ़ते पॉल्युशन से कंजंक्टिवाइटिस जैसी आंख की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।
- बच्चों में कैटरैक्ट और ग्लौकोमा की संभावना बढ़ सकती है।
- बढ़ते पॉल्युशन से कंजंक्टिवाइटिस जैसी आंख की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

वायु प्रदूषण की वजह से होने वाली कान की समस्याएं-

- पॉल्युशन के कण व्यक्ति की कान की सेहत के लिए भी खतरा बन सकते हैं। बढ़ते प्रदूषण की वजह से कान के पर्दे सिकुड़ने लगते हैं, जिसकी वजह से बहरेपन की समस्या सामने आ सकती है। नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ इसे चिंताजनक स्थिति मान रहे हैं।
- प्रदूषण की वजह से नाक व गले की एलर्जी बढ़ रही है, और इस एलर्जी का असर कान के पर्दे पर पड़ रहा है। जिसकी वजह से कान के पर्दे सिकुड़ रहे हैं। बता दें, यह समस्या बच्चे व बूढ़े में सबसे अधिक है।
- पॉल्युशन के कण कान के अंदर चले जाने से कान में दर्द और इन्फेक्शन का खतरा बढ़ सकता है।
- पॉल्युशन से ज्यादा धूल-मिट्टी का एक्सपोजर होने से जोर-जोर से आवाज सुनाई देना, और कान में दर्द जैसी शिकायत पैदा हो सकती है।
- वायु प्रदूषण से साइनोसाइटिस, जुकाम और एलर्जी होती है, जो बाद में कानों को बहुत ज्यादा प्रभावित करती है। जैसे-टिनिटस बीमारी जुकाम के बाद प्रभावित करती है। ऐसे में जुकाम और एलर्जी को हल्के में लेने की गलती न करें।
- जुकाम में नाक से कान के बीच स्थित यूस्टेकियन ट्यूब में नाक से पानी चला जाता है। इस पानी की वजह से मध्य कान में संक्रमण हो जाता है। कई बार कफ के कारण ट्यूब ब्लॉक हो जाती है। इससे कान में संक्रमण होने के साथ मरीज की सुनने की क्षमता भी कम हो जाती है।
- जहरीले केमिकल्स और धुल मिट्टी से भरी हवा का संपर्क कान की नसों को नुकसान पहुंचता है, इससे कान में खुजली, सूजन, और जी मचलाना जैसे समस्याएं हो सकती हैं।

बचाव के उपाय-

- अगर आप पॉल्यूशन वाले इलाके में रह रहे हैं तो रोजानाअपनी आंखों को कई बार साफ पानी से धोएं।
- प्रदूषण से बचने के लिए जहां तक संभव हो, घर के आसपास नए पौधे लगाएं।
- घर से बाहर निकलते समय चारों ओर उड़ने वाले हानिकारक कणों को आंखों में जाने से रोकने के लिए आंखों पर सनग्लासेस पहनें।
- प्रदूषण से बचने के लिए खुद की बॉडी को हाइड्रेटेड रखें। यह आपकी आंखों के साथ आपके पूरे शरीर के लिए भी अच्छा है।
- सुबह और शाम बहुत ज्यादा प्रदूषित हवा में बाहर न घूमें।
- स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं और नियमित अपना हेल्थ चेकअप करवाएं।
- विटामिन रिच सब्जियां और फल डाइट में शामिल करें।
- रोजाना कम से कम 30 मिनट का व्यायाम करें।
- आंखों की सेहत बनाए रखने के लिए आंखों से जुड़े व्यायाम का अभ्यास करें।
- एक अच्छा एयर प्यूरीफायर घर में जरूरी है।

नोट : इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में नवंबर 2023 से नया केंद्रीय विद्यालय शुरू

• **जालंधर ब्रीज** . बठिंडा

बठिंडा जिले के निवासियों के लिए एक अच्छी खबर है कि केंद्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की मंजूरी के बाद पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के ग्राम घुद्दा, जिला बठिंडा स्थित परिसर में एक नया केंद्रीय विद्यालय शुरू करने की घोषणा की है। नया केंद्रीय विद्यालय शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से पहली से पांचवीं कक्षा के लिए शुरू होगा, जिसके लिए प्रवेश प्रक्रिया ऑफ़लाइन मोड में की जाएगी। बठिंडा जिले में यह पांचवां केंद्रीय विद्यालय होगा।

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयू पंजाब) में नव स्थापित केंद्रीय विद्यालय ने वर्तमान सत्र (2023-24) के लिए पहली से पांचवीं कक्षा के लिए प्रवेश कार्यक्रम जारी कर दिया है। पंजीकरण प्रक्रिया 6 से 20 नवंबर, 2023 तक जारी रहेगी। पंजीकरण फॉर्म केंद्रीय विद्यालय संगठन की आधिकारिक वेबसाइट (https://kvsagathan.nic.in/) से डाउनलोड किए जा सकते हैं। चयन केवी मानदंडों के अनुसार किया जाएगा, जिसमें सीयू पंजाब के कर्मचारियों के बच्चों को प्राथमिकता दी जाएगी, उसके बाद नागरिकों को।

यह स्कूल परियोजना मोड में संचालित होगा, जिसमें पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त वित्तीय सहयोग से विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर और विद्यालय के कर्मचारियों के लिए वेतन से संबंधित व्यय वहन करेगा। इस स्कूल में हर साल एक नई उच्च कक्षा जोड़ी जाएगी। सीयू पंजाब में नव स्थापित केंद्रीय विद्यालय में श्री अनिल कुमार को प्रभारी प्रिंसिपल के रूप में नियुक्त किया गया है। अन्य शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति क्षेत्रीय कार्यालय, केंद्रीय विद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा की जाएगी।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी ने सीयू पंजाब परिसर में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्रीय विद्यालय संगठन के प्रति आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय ने कुछ समय पहले अपने परिसर में एक केवी की स्थापना का प्रस्ताव रखा था क्योंकि यहाँ के संकाय और कर्मचारियों को अपने बच्चों को परिसर से 20-30 किलोमीटर दूर के स्कूलों में भेजना पड़ता था। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विश्वविद्यालय परिसर में केवी की स्थापना से हमारे कर्मचारियों और बठिंडा जिले के निवासियों के बच्चों को बहतर स्कूली शिक्षा मिलेगी। प्रो. तिवारी ने इस बात पर जोर दिया कि विश्वविद्यालय प्रशासन सीयू पंजाब में नव स्थापित केंद्रीय विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों में रचनात्मकता के विकास को बढ़ावा देने हेतु आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, प्रभारी प्रिंसिपल श्री अनिल कुमार ने उल्लेख किया कि इच्छुक अभिभावक प्रवेश प्रक्रिया में पंजीकरण के लिए पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में स्थित केंद्रीय विद्यालय भवन में आ सकते हैं।

फिल्म पायरेसी रोकने के लिए बड़ी कार्रवाई क्योंकि उद्योग को पायरेसी से सालाना 20,000 करोड़ रुपये का नुकसान

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

पायरेसी के कारण फिल्म उद्योग को हर वर्ष 20,000 करोड़ रुपये का नुकसान होने के कारण सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने पायरेसी रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। इस वर्ष मानसून सत्र के दौरान संसद द्वारा सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) कानून, 1952 को पारित करने के बाद, सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने पायरेसी के खिलाफ शिकायतें प्राप्त करने और बिचौलियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पायरेटेड सामग्री को हटाने का निर्देश देने के लिए नोडल अधिकारियों का एक संस्थागत तंत्र स्थापित किया है।

कॉपीराइट कानून और आईपीसी के तहत अभी तक कानूनी कार्रवाई को छोड़कर पायरेटेड फिल्मी सामग्री पर सीधे कार्रवाई करने के लिए कोई संस्थागत तंत्र नहीं है। इंटरनेट के प्रसार और लगभग प्रत्येक व्यक्ति द्वारा नि:शुल्क में फिल्मी सामग्री देखने में रुचि रखने के साथ, पायरेसी में तेजी देखी गई है। उपरोक्त कार्रवाई से पायरेसी के मामले में सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी और उद्योग को राहत मिलेगी।

विधेयक के बारे में संसद में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य फिल्म पायरेसी पर अंकुश लगाने की फिल्म उद्योग की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करना है। इस कानून में 40 वर्ष बाद संशोधन किया गया, ताकि 1984 में अंतिम महत्वपूर्ण संशोधन किए जाने के बाद डिजिटल पायरेसी सहित फिल्म पायरेसी के खिलाफ प्रावधानों को इसमें शामिल किया जा सके। संशोधन में न्यूनतम 3 महीने की कैद और 3 लाख तक रुपये के जुर्माने की सख्त सजा शामिल है, सजा को 3 साल तक बढ़ाया जा सकता है और ऑडिटेड सकल उत्पादन लागत का 5 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है।

कौन आवेदन कर सकता है?

मूल कॉपीराइट धारक या इस उद्देश्य के लिए उनके द्वारा अधिकृत कोई भी व्यक्ति पायरेटेड सामग्री को हटाने के लिए नोडल अधिकारी को आवेदन कर सकता है। यदि कोई शिकायत किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा की जाती है जिसके पास कॉपीराइट नहीं है या कॉपीराइट धारक द्वारा अधिकृत नहीं है, तो नोडल अधिकारी निर्देश जारी करने से पहले शिकायत की वास्तविकता तय करने के लिए मामले दर मामले के आधार पर सुनवाई कर सकता है।

कानून के तहत नोडल अधिकारी से निर्देश प्राप्त करने के बाद, डिजिटल प्लेटफॉर्म 48 घंटे की अवधि के भीतर पायरेटेड सामग्री देने वाले ऐसे इंटरनेट लिंक को हटाने के लिए बाध्य होगा।

संसद द्वारा मानसून सत्र में पारित सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) कानून,2023 (2023 का 12) ने फिल्म प्रमाणन से संबंधित मुद्दों का समाधान किया, जिसमें फिल्मों की अनधिकृत रिकॉर्डिंग और फिल्म प्रदर्शन और इंटरनेट पर अनधिकृत प्रतियों के प्रसारण द्वारा फिल्म पायरेसी का मुद्दा शामिल है। पायरेसी के लिए सख्त दंड लगता है। यह संशोधन मौजूदा कानूनों के अनुरूप हैं जो फिल्म पायरेसी के मुद्दों का समाधान करते हैं यानी कॉपीराइट कानून, 1957 और सूचना प्रौद्योगिकी कानून (आईटी) 2000।

सिनेमैटोग्राफ कानून, 1952 की नई सम्मिलित धारा 6एबी में प्रावधान है कि कोई भी व्यक्ति किसी प्रदर्शनी स्थल पर लाभ के लिए जनता के सामने प्रदर्शित करने के लिए किसी भी फिल्म का उल्लंघन करने वाली प्रति का उपयोग नहीं करेगा या उसके लिए नहीं उकसाएगा, जिसे इस कानून या उसके अंतर्गत बनाए गए नियम के तहत लाइसेंस नहीं मिला है; या इस तरह से जो कॉपीराइट कानून, 1957 या उस समय लागू किसी अन्य कानून के प्रावधानों के तहत कॉपीराइट का उल्लंघन है। इसके अलावा, सिनेमैटोग्राफ कानून में नई सम्मिलित धारा 7(1बी)(ii) में प्रावधान है कि सरकार धारा के उल्लंघन में किसी मध्यस्थ मंच पर प्रदर्शित/होस्ट की गई ऐसी उल्लंघनकारी प्रति तक पहुंच को हटाने/अक्षम करने के लिए उचित कार्रवाई कर सकती है। 6एबी ऊपर उल्लिखित है।

54वां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव गोवा में 20 से 28 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा

केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने घोषणा की कि 54वां अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई-इफ्फी) 20 नवंबर 28 नवंबर 2023 तक गोवा में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर ठाकुर ने कहा कि भारत के बाजार की विश्व रैंकिंग 5वें नंबर पर है, जो भारत की मीडिया और मनोरंजन उद्योग की शक्ति दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह बाजार पिछले तीन वर्षों में 20 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि के साथ हर साल बढ़ रहा है। भारत में बनी फिल्में देश के कोने-कोने में छा गई हैं और अब दुनिया के दूर-दराज स्थानों तक पहुंच रही हैं।

मंत्री महोदय ने कहा कि इस वर्ष सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार विश्व सिनेमा के दीप्तिमान सितारे माइकल डगलस को प्रदान किया जाएगा, जिन्हें सिनेमाई जगत में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है।

ठाकुर ने बताया कि इफ्फी के अंतर्राष्ट्रीय खंड में प्राप्त फिल्मों की संख्या में तीन गुना वृद्धि देखी गई है और यह इफ्फी के लिए अंतर्राष्ट्रीय फिल्म उद्योग के आकर्षण का परिचायक है।

नए शुरू किए गए ओटीटी पुरस्कारों के बारे में उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद से ओटीटी उद्योग ने भारत में बहुत अधिक वृद्धि की है और यह मंच हजारों लोगों को रोजगार दे रहा है। इस क्षेत्र के सालाना 28 प्रतिशत वृद्धि वाली गतिशीलता को देखते हुए मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफार्मों पर उत्कृष्ट कंटेंट क्रिएटर्स को मान देते हुए इस पुरस्कार की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि 15 ओटीटी प्लेटफार्मों से 10 भाषाओं में कुल 32 प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं और विजेता को दस लाख रुपये की राशि से सम्मानित किया जाएगा।

IA & AD उत्तर क्षेत्र कैरम टूर्नामेंट

पीआर.एजी उत्तर प्रदेश विजयी

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

प्रधान महालेखाकार (ऑडिट) पंजाब के कार्यालय द्वारा आयोजित भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग (आईए एंड एडी) उत्तरी क्षेत्र कैरम टूर्नामेंट कल शानदार मैचों और भाईचारे के माहौल के साथ संपन्न हुआ।

पुरुष टीम इवेंट वर्ग में पीआर.एजी उत्तर प्रदेश पीआर.एजी दिल्ली 'बी' को हराकर अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बने। प्रतियोगिता कठिन थी और अंतिम क्षण किसी रोमांच से कम नहीं थे।

पीआर.एजी उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए खुर्शीद हसन ने पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में चैंपियन बनकर अपने कैरम कौशल का प्रदर्शन किया।

पुरुष वेटरन वर्ग में पीआर.एजी दिल्ली 'ए' के शुभ राज ने पीआर.एजी उत्तर प्रदेश के अमरेंद्र श्रीवास्तव को हराकर चैंपियनशिप हासिल की। खेल में उनका अनुभव और चतुराई उनके प्रदर्शन में स्पष्ट दिखी।

महिला व्यक्तिगत वर्ग में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें पीआर.एजी दिल्ली 'बी' की गीता बी शंकर चैंपियन बनीं। उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी पीआर.एजी दिल्ली 'बी' की वी.राधिका को करीबी मुकाबले में हराया।

टूर्नामेंट की सफलता का जश्न एक पुरस्कार वितरण समारोह के साथ मनाया गया, जहां शैलेन्द्र विक्रम सिंह, IA & AS, को विजेताओं और उपविजेताओं को पुरस्कृत करने का सम्मान मिला। उन्होंने प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

शैलेन्द्र विक्रम सिंह ने विजयी प्रतिभागियों के साथ प्रेरक शब्द साझा किए: "आज की आपकी जीत आपके समर्पण, कड़ी मेहनत और अटूट भावना का प्रमाण है। लेकिन याद रखें, सफलता एक यात्रा है, मंजिल नहीं। अपनी सीमाएँ बढ़ाते रहें। आप सभी को बधाई"

कल्याण अधिकारी सुरजीत कौर बैदवान ने ऐसे आयोजनों में खेल भावना और एकता के महत्व पर जोर देते हुए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। IA&AD नॉर्थ ज़ोन कैरम टूर्नामेंट न केवल कौशल की परीक्षा थी, बल्कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सौहार्द की भावना का उत्सव भी था।

जल दिवाली - "महिलाओं के लिए पानी, पानी के लिए महिलाएं अभियान" शुरु किया गया

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय अपनी प्रमुख योजना - अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (एएमआरयूटी) के तहत एक प्रगतिशील पहल "महिलाओं के लिए पानी, पानी के लिए महिलाएं अभियान" को शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस योजना में मंत्रालय के राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) की भी भागीदारी है। ओडिशा अर्बन एकेडमी इसकी 'नॉलेज पार्टनर' है।

इस अभियान का उद्देश्य जल शासन प्रणाली में महिलाओं को शामिल करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। उन्हें अपने-अपने शहरों में जल उपचार संयंत्रों (डब्ल्यूटीपी) के दौरे के माध्यम से जल उपचार प्रक्रियाओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान की जाएगी। संयंत्रों के दौरों से उन्हें घरों में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाने में प्रयुक्त महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से देखने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा, महिलाओं को जल गुणवत्ता परीक्षण प्रोटोकॉल के बारे में जानकारी उपलब्ध होगी जो यह सुनिश्चित करती है कि नागरिकों को अपेक्षित गुणवत्ता का जल उपलब्ध हो। इस अभियान का व्यापक लक्ष्य जल बुनियादी ढांचे के प्रति महिलाओं में स्वामित्व और अपनेपन की भावना को विकसित करना है।

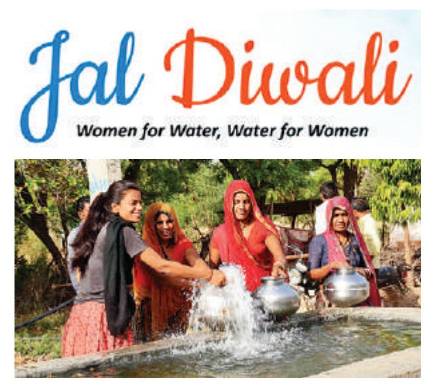

भारत में 3,000 से अधिक जल उपचार संयंत्र हैं, जिनकी निर्मित जल उपचार क्षमता 65,000 एमएलडी से अधिक और परिचालन क्षमता 55,000 एमएलडी से अधिक है। इस अभियान के दौरान, महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) 550 से अधिक जल उपचार संयंत्रों का दौरा करेंगे, जिनकी संयुक्त परिचालन क्षमता 20,000 एमएलडी (देश की कुल क्षमता की 35 प्रतिशत से अधिक) से अधिक है।

"महिलाओं के लिए जल, जल के लिए महिलाएं अभियान", ' 'जल दिवाली" के पहले चरण में राष्ट्रव्यापी रूप से 15,000 से अधिक स्वयं सहायता समूह महिलाओं की अपेक्षित भागीदारी के साथ सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों (आदर्श आचार संहिता के तहत 5 राज्यों को छोड़कर) की भागीदारी रहेगी। इस अभियान के प्रमुख क्षेत्र इस प्रकार हैं :

महिलाओं को जल उपचार संयंत्रों और जल परीक्षण सुविधाओं की कार्यप्रणाली से परिचित कराना।

महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित स्मृति चिन्हों और वस्तुओं के माध्यम से महिलाओं की समावेशिता और भागीदारी को बढ़ावा देना।

महिलाओं को अमृत योजना और जल बुनियादी ढांचे के बारे में जानकारी देना और शिक्षित करना।

इस अभियान के अपेक्षित परिणामों में जल उपचार के बारे में जागरूकता और जानकारी में वृद्धि करना, स्वामित्व और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाना, समावेशिता को बढ़ावा देना, स्वयं सहायता समूहों का सशक्तिकरण, सकारात्मक सामुदायिक प्रभाव और भविष्य की पहल के लिए मॉडल शामिल हैं।

'अमृत' (एएमआरयूटी) और एनयूएलएम से राज्य और शहर के अधिकारी डब्ल्यूटीपी की पहचान करके इन यात्राओं को सुविधाजनक बनाएंगे। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने सभी राज्य और शहर के अधिकारियों से इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लेने और इसका समर्थन करने का आह्वान किया है। यह पहल 'अमृत' के तहत जल बुनियादी ढांचे के महत्वपूर्ण क्षेत्र में महिलाओं को शामिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

सोशल मीडिया पर ही भिड़ गए पीएम नेतन्याहू और उन्हीं के खूंखार मंत्री

• **जालंधर ब्रीज** . वर्ल्ड न्यूज

हमास के खिलाफ जंग में गाजा पट्टी पर भीषण हमलों को रोकने और सीजफायर लागू करने को लेकर जहां इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू संयुक्त राष्ट्र समेत कई देशों का दबाव झेल रहे हैं, वहीं उनके एक मंत्री ने गाजा पट्टी पर न्यूक्लियर बम गिराने की बात कही है। इजरायल के यरूशलेम और विरासत मामलों के मंत्री अमीचाई एलियाहू ने कहा कि गाजा पट्टी पर परमाणु हथियार गिराना "एक विकल्प" है।

एक रेडियो इंटरव्यू में अति-दक्षिणपंथी मंत्री ने कहा कि "गाजा में कोई भी गैर-लड़ाकू नहीं है।" उन्होंने कहा कि चूंकि उनके विचार में कोई गैर-लड़ाकू नहीं हैं, इसलिए गाजा पट्टी पर परमाणु हमला एक विकल्प है। हमास के खात्मे का यही एक तरीका है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी को मानवीय सहायता प्रदान करना "विफलता" होगी।

प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एलियाहू के परमाणु बम गिराने की सलाह पर सोशल मीडिया पर जवाब देते हुए कहा कि एलियाहू की टिप्पणियां "वास्तविकता से अलग" हैं और गैर-लड़ाकों को नुकसान से बचाने के लिए इज़रायल और आईडीएफ अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार कार्य कर रहे हैं। पीएम नेतन्याहू ने ट्वीट किया, "मंत्री एलियाहू के बयान वास्तविकता पर आधारित नहीं हैं। इजरायल और आईडीएफ निर्दोषों को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के उच्चतम मानकों के अनुसार काम कर रहे हैं। हम अपनी जीत तक ऐसा करना जारी रखेंगे।" इसके पलटवार में मंत्री ने भी सोशल मीडिया एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा कि मौजूदा समय में हमास के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाने की जरूरत है और यही समय की मांग है। उन्होंने लिखा, "यह एकमात्र फॉर्मूला है जिसका उपयोग लोकतांत्रिक राज्य आतंकवाद से निपटने के लिए कर सकते हैं। साथ ही, यह स्पष्ट है कि इज़रायल बंधकों को सुरक्षित और स्वस्थ वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध है।"

पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान 2.0 लॉन्च किया

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने आज चंडीगढ़ की बैंक शाखाओं में डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान 2.0 का आयोजन किया। यह अभियान शहर भर में एसबीआई और पीएनबी शाखाओं के 10 अभियान स्थलों को कवर करेगा।

यह अभियान शहर भर में एसबीआई और पीएनबी शाखाओं के 10 अभियान स्थलों को कवर करेगा, साथ ही देश भर के 100 शहरों में 500 स्थानों पर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए डीएलसी/फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक के उपयोग के लिए सभी केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के साथ-साथ पेंशन संवितरण प्राधिकारियों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए 17 पेंशन वितरण बैंकों, मंत्रालयों/विभागों, पेंशनभोगी कल्याण संघ, यूआईडीएआई, एमईआईटीवाई के सहयोग से 50 लाख पेंशनभोगियों को लक्षित करेगा। यह सुनिश्चित करने की दृष्टि से कि जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के डिजिटल तरीकों का लाभ देश के सुदूर कोनों में पेंशनभोगियों तक पहुंचे और अति वरिष्ठ/बीमार/अक्षम पेंशनभोगियों को भी लाभ मिले, विस्तृत दिशानिर्देशों के साथ एक व्यापक परिपत्र जारी किया गया है, जिसमें सभी हितधारकों की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां परिभाषित की गई हैं, जिनमें भारत सरकार के मंत्रालय/विभाग, पेंशन संवितरण बैंक और पेंशनभोगी संघ शामिल हैं। इन दिशानिर्देशों में अभियान के लिए हितधारकों द्वारा नोडल अधिकारियों का नामांकन, कार्यालयों और बैंक शाखाओं/एटीएम में रणनीतिक रूप से लगाए गए बैनर/पोस्टर के माध्यम से डीएलसी-फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक के बारे में जागरूकता फैलाना/उचित प्रचार प्रदान करना, जहां तक हो सके डीएलसी/फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक का उपयोग करना, जहां डोरस्टेप बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाया जाता है, वहां बैंक शाखाओं में समर्पित कर्मचारियों को एंड्रॉइड फोन से लैस करना, ताकि जब पेंशनभोगी जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए शाखा में जाएं तो इस तकनीक का उपयोग किया जा सके, पेंशनभोगियों को बिना किसी देरी के अपने डीएलसी जमा करने में सक्षम बनाने के लिए शिविरों का आयोजन और बिस्तर पर पड़े पेंशनभोगियों के मामले में घर का दौरा करना शामिल है। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग के अधिकारियों ने सेक्टर 7 सी, पंजाब विश्वविद्यालय, दद्दू माजरा, सेक्टर 22 सी, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में भारतीय स्टेट बैंक की बैंक और सेक्टर 17 बी, सेक्टर 16 डी, सेक्टर 19 सी, सेक्टर 22 डी और मनीमाजरा, चंडीगढ़ में पंजाब नेशनल बैंक की शाखाओं का दौरा किया। बड़ी संख्या में पेंशनभोगी अपने डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र के प्रमाणीकरण को सुनिश्चित करने के लिए इन शाखाओं में आए।

बैंकों ने इन डिजिटल प्रमाणपत्रों के सफल प्रमाणीकरण के लिए पूर्ण सहायता और तकनीकी सहायता सुनिश्चित करते हुए अभियान के लिए विशेष व्यवस्था की थी। डीओपीपीडब्ल्यू अधिकारी ने बैंक अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ उन पेंशनभोगियों से उनके घरों पर भी मुलाकात की, जहां वे बहुत अधिक उम्र या किसी शारीरिक विकलांगता के कारण बैंक शाखाओं तक पहुंचने में असमर्थ थे। विभाग ने आधार डेटाबेस पर आधारित फेस ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी सिस्टम विकसित करने के लिए एमईआईटीवाई और यूआईडीएआई के साथ काम किया है, जिससे किसी भी एंड्रॉइड आधारित स्मार्ट फोन से एलसी जमा करना संभव है। इस सुविधा के अनुसार, फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक के जरिए किसी व्यक्ति की पहचान स्थापित की जाती है और डीएलसी जेनरेट किया जाता है। नवंबर 2021 में लॉन्च की गई इस महत्वपूर्ण तकनीक ने पेंशनभोगियों की बाहरी बायो-मीट्रिक उपकरणों पर निर्भरता को कम कर दिया और स्मार्टफोन-आधारित तकनीक का लाभ उठाकर इस प्रक्रिया को जनता के लिए अधिक सुलभ और किफायती बना दिया। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग इस अभियान को पूरे देश में सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

मध्यप्रदेश में भगवंत मान और केजरीवाल ने किया रोड शो

केजरीवाल ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों को इतने अच्छे बना दिए कि अब रिक्शेवाले और जज के बच्चे एक साथ पढ़ रहे हैं - मान

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वीरवार को को मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया। दोनों नेताओं ने एमपी के संवढ़ा और दतिया में आप उम्मीदवार के साथ विभिन्न जगहों पर रोड शो किया और लोगों से आम आदमी पार्टी को वोट देने की अपील की। रोड शो में लोगों की भारी भीड़ देखकर भगवंत मान ने कहा कि यह मध्यप्रदेश में परिवर्तन का सबूत है। जिस तरह आज मध्यप्रदेश में हमारे रोड शो में लोगों का हुजूम उमड़ा है। पिछले साल पंजाब में और उससे पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान ऐसा ही हुजूम हुआ करता था।

मान ने मध्यप्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के भ्रष्ट शासन से मध्यप्रदेश की जनता बेहद परेशान है। इस बार मध्यप्रदेश के लोग भाजपा को राज्य की सत्ता से बाहर करेंगे और आम आदमी पार्टी की ईमानदार राजनीति को एक मौका देंगे। उन्होंने कहा कि हमारे वादे भाजपा की तरह जुमले नहीं होते। हमने दिल्ली और पंजाब में बहुत काम किए हैं। यहां भी सरकार बनने पर उसी तरह काम करेंगे। हम यहां भी लोगों को मुफ्त बिजली देंगे। मोहल्ला क्लीनिक और अच्छे सरकारी स्कूल बनाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बहुत अच्छे काम किए हैं। केजरीवाल ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों को इतने अच्छे बना दिए कि अब दिल्ली में मजदूर और रिक्शा वाले के बच्चे एवं जज व अफसरों के बच्चे एक साथ सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने राजा वड़िंग को आड़े हाथों लिया

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज राज्य कांग्रेस प्रधान अमरिन्दर सिंह राजा वड़िंग को 'झूठा' करार देते हुए उनके गलत, घटिया और मनघड़ंत बयानों के द्वारा लोगों को गुमराह करने के लिए कड़ी निंदा की। यहाँ जारी एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा वड़िंग मीडिया के सामने वाह-वाही बटोरने के लिए तथ्यों को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने राज्य के हितों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट में हलफ़नामा दायर किया है। हलफ़नामे का हवाला देते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने हलफ़नामे में बताया है कि केंद्र सरकार द्वारा 40 सालों से दिए जा रहे प्रोत्साहन राज्य में धान की कृषि को अपनाने का कारण बना है, जिसके स्वरूप न्यूनतम समर्थन मूल्य के ज़रिये किसानों को लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हलफ़नामे में आगे लिखा गया है कि धान की बजाय अन्य फ़सलों की खेती करके फ़सलीय चक्र को तोडऩे और कृषि विविधता के लिए किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित बनाने के साथ-साथ और अधिक प्रोत्साहन मुहैया करवाया जाएगा, जिससे किसानों को अन्य फ़सलों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार ने विनती की थी कि किसानों को फ़सलीय चक्र में से निकालने के लिए एक टिकाऊ रणनीति की ज़रूरत होगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन प्रयासों को लागू करने से फसलों के अवशेष के प्रबंधन में काफ़ी मदद मिलेगी।

मिलावटखोरी रोकने के लिए मिठाई की दुकानों की जांच

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

फूड सेफ्टी टीम ने जारी किए चालान

डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल के निर्देशों पर त्योहारों के चलते मिलावट वाली मिठाईयों की जांच के लिए सबडिवीजन मैजिस्ट्रेट नकोदर मेजर डा. इरविन कौर ने नकोदर में मिठाई की दुकानों की जांच की। सबडिवीजन मैजिस्ट्रेट ने फूड सेफ्टी टीम के साथ मिठाई की दुकानों और उनको बनाने की यूनिटों की जांच की और फूड सेफ्टी टीम को सैंपल लेने के लिए कहा।

डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल ने कहा कि लोगों को शुद्ध मिठाइयां उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से दुकानों की जांच चलती रहेगी और सैंपल लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान से लोगों में यह विश्वास पैदा होगा कि वे सुरक्षित और साफ भोजन उत्पाद ले रहे है। उन्होंने कहा कि लोगों के लिए स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है और इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाये जाएगे ताकि लोगों को साफ सुथरा खाने का सामान मिल सके। श्री सारंगल ने स्वास्थ्य विभाग और फूड कमिश्न विभाग के अधिकारियों को मिठाइयां बनाने के लिए कच्चे पदार्थ और विशेषकर दूध की जांच करने के निर्देश दिए ताकि लोगों को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पाद मिल सकें।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और फूड सेफ्टी के अधिकारी जाँच अभियान को और तेज करे ताकि लोगों को साफ सुथरा खाने का सामान मिल सके। उन्होंने कहा कि खाने वाले पदार्थों की गुणवता के लिए टीमों की जांच जारी रहेगी।

डिप्टी कमिश्नर ने दिव्यांगों और बुज़ुर्गों के साथ मनाई दिवाली

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल ने रैड क्रास और प्रयास स्कूल के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और बुजुर्गों के साथ दिवाली का त्योहार मनाया। इस दौरान डिप्टी कमिश्नर श्री सारंगल ने बच्चों और सीनियर सिटीजन के साथ दो घंटे से अधिक समय व्यतीत किया औऱ उनको गिफ्ट मिठाइयाँ बांटी। बच्चों को विभिन्न गतिविधियों में शामिल करवाते हुए डिप्टी कमिश्नर ने उनके साथ दीवाली का त्योहार मनाया। साथ ही बुजुर्गों को कंबल भी बांटे।

दिवाली की मुबारकबाद देते हुए उन्होंने कहा कि दिवाली रोशनी का त्योहार है और पूरे देश में धार्मिक उत्साह से मनाया जाता है। श्री सांरगल ने कहा कि जैसे हम सभी दिवाली को बहुत धूमधाम से मनाते हैं, वैसे ही विशेष जरूरतों वाले बच्चों और बुजुर्गों का ध्यान भी हमें रखना चाहिए। यदि हम अपना कुछ समय इन बच्चों और बुजुर्गों के साथ गुजारेगें तो इनकी खुशियां दोगुनी हो जाएगी, यह हमारे समाज का एक प्रमुख् हिस्सा है। इस दौरान डिप्टी कमिश्नर ने इन संस्थानों को संभव सहायता प्रदान करने की बात कही और प्रशासन द्वारा इनके साथ हर समय होने की वचनबद्धता दोहराई।

केन्द्रीय संचार ब्यूरो की प्रदर्शनी का आज दूसरा दिन

ट्रैफिक नियमों के पालन और वातावरण संभाल के बारे किया जागरूक

• **जालंधर ब्रीज.** लुधियाना

केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा '9 वर्ष - सेवा , सुशासन, गरीब कल्याण' विषय पर सथानीय गुरु नानक देव भवन में अयोजित तीन दिवसीय फ़ोटो प्रदर्शनी के आज दूसरे दिन विद्यार्थियों को जहां ट्रैफिक नियमों सहित पराली को जलाने से होने वाले नुकसानों को जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया वहीं उन्हें लोकतंत्र में वोट के अधिकार के इस्तेमाल के लिए भी प्रेरित किया गया।

ज़िला उप शिक्षा अधिकारी जसविंदर सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। भारत में पिछले वर्षों में अनेक क्षेत्रों में हुई तरकी को दर्शाती ये प्रदर्शनी नौजवानों, विशेष कर विद्यार्थियो के लिए जानकारियों का भंडार है। आज लुधियाना ट्रैफिक पुलिस के एजुकेशन सेल के अधिकारी हेड कांस्टेबल जसबीर सिंह ने ट्रैफिक नियमों की पालना ना करने के शारीरिक नुकसानों सहित कानूनी तौर पर होने वाली कारवाइयों के बारे में विस्तार से जागरूक किया। उन्होंने कहा की जहां ट्रैफिक नियमों के पालन ना करने से पंजाब सहित देश भर में रोज़ाना सैंकड़ों व्यक्तियों की मृत्यु हो जाती है वहीं जिन नौजवानों के पास कम उम्र के कारन या वैसे लाइसेंस नहीं होता उन्हें किसी एक्सीडेंट में हुए नुकसान की भरपाई के वक्त बहुत सी कानूनी कारवाइयों का सामना करना पड़ता है।

वोटर जागरुकता के स्वीप प्रोग्राम के अन्तर्गत लोगों को अपनी पहले बनी वोटों में किसी गलती को ठीक करवाने और नौजवानों को अपनी नई वोट बनाने के ऑनलाइन तरीकों के बारे में ज़िला निर्वाचन दफ्तर के अधिकारियों हरनूर कौर और जगदीप सिंह द्वारा जागरूक किया गया। पराली को जलाने से होने वाले नुकसानों के बारे में कृषि विभाग की कृषि विकास आधिकारी वीरपाल कौर ने और घरेलू गैस के सुरक्षित संचालन और रख रखाव के बारे में भी रिंकी द्वारा जानकारियों सांझी की गई।

पराली को आग लगाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

डिप्टी कमिश्नर और एस.एस.पी ने एस.डी.एम एवं डी.एस.पी. को दिये निर्देश, टीमों को अधिक से अधिक क्षेत्रीय दौरे करने के लिए कहा गया

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

खेतों में धान की पराली और फसली अवशेषों को जलाने के मामलों को रोकने के लिए सिविल और पुलिस प्रशासन की टीमों द्वारा किसानों से अपील की है कि खेतों में आग न लगाने और ऐसा न करने वाले किसानों के खिलाफ अदालती आदेशों अनुसार बनती कार्रवाई की जायेगी। डिप्टी कमिश्नर कैप्टन करनैल सिंह और एस.एस. पी वत्सला गुप्ता ने जिला प्रशासनिक कॉम्पलैक्स में जिले के सभी उपमंडल मैजिस्ट्रेटों, डीएसपी और कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ मीटिंग के दौरान निर्देश दिया कि पराली को आग लगाने के मामलों को रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों द्वारा अधिक से अधिक गांवों का दौरा किया जाये। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की टीमें किसानों की सुविधा के लिए आवश्यक मशीनरी उपलब्ध करा रही हैं, जिससे खेतों में पराली का बेहतर ढंग से प्रबंधन किया जा सकेगा और अगर फिर भी कुछ किसान खेतों में आग लगाते हैं तो उनके खिलाफ टीमों द्वारा कार्रवाई करने को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

डिप्टी कमिश्नर ने खेतों में आग लगाने के मामलों की सूचना देने के लिए तैनात टीमों को निर्देश देते हुए कहा कि यदि दिए गए क्षेत्र में आग लगाने का कोई मामला सामने आता है, तो वे तुरंत इसकी जानकारी संबंधित नोडल अधिकारी के ध्यान में लाएं और बनती कानूनी कार्रवाई करवाये। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति उनकी ड्यूटी में हस्तक्षेप करने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि खेतों में आग लगाने वाले किसानों को बनता पर्यावरणीय मुआवजा लगाया जाये। एसएसपी वत्सला गुप्ता ने किसानों से खेतों में धान की पराली में आग न लगाने का भी आग्रह किया। मीटिंग के दौरान मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. नरेश गुलाटी ने जानकारी दी कि जिले में खेतों में आग लगाने के 217 मामलों में अब तक 5.87 लाख रुपये (पर्यावरण क्षतिपूर्ति) का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग टीमें गांव-गांव जाकर किसानों से आग न लगाने की अपील कर रही हैं।

ऑपरेशन बिरसा मुंडा के स्मृति दिवस पर शहीद कैप्टन गुरजिंदर सिंह सूरी को श्रद्धांजलि दी

• **जालंधर ब्रीज.** गुरदासपुर

गुल्मर्ग सेक्टर, जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर 09 नवंबर, 1999 को 12 बिहार बटालियन द्वारा किए गए ऑपरेशन बिरसा मुंडा में 17 पाकिस्तानी सैनिको को मार गिराया और पाकिस्तानी सेना के ढेर सारे हथियार और उपकरण जब्त किए थे।

इस ऑपरेशन में घातक प्लाटून के एक कॉलम का नेतृत्व करते हुए कैप्टन गुरजिंदर सिंह सूरी वीरगति को प्राप्त हो गए। कैप्टन गुरजिंदर सिंह सूरी को उनकी वीरता और कर्तव्यनिष्ठा के लिए मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। ऑपरेशन बिरसा मुंडा दिवस के अवसर पर 12 बिहार बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर एवं सभी जवानों ने गुरदासपुर पंजाब में कैप्टन गुरजिंदर सिंह सूरी, महावीर चक्र (मरणोपरांत) को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को याद किया।

शिमला में 'वार्तालाप' ने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और मीडिया पर प्रकाश डाला

अपर उपायुक्त (एडीसी) शिमला ने सेवा वितरण में सुधार के लिए हितधारकों की भागीदारी की वकालत की

• **जालंधर ब्रीज.** शिमला

हिमाचल प्रदेश के शिमला में आयोजित मीडिया वर्कशॉप (वार्तालाप) में स्वास्थ्य, शिक्षा और मीडिया के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालने के लिए मीडिया कर्मियों, प्रशासन और ज्ञानसाधन व्यक्तियों को एक साथ लाया गया। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) चंडीगढ़ के अतिरिक्त महानिदेशक राजिंदर चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में अपर उपायुक्त (एडीसी) शिमला अभिषेक वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और ढेर सारी जानकारियां और चर्चाएं हुईं। यह कार्यक्रम नई शिक्षा नीति के महत्व पर ध्यान केंद्रित करने के साथ शुरू हुआ। राजिंदर चौधरी ने कहा, "नई शिक्षा नीति भारत के शिक्षा परिदृश्य को बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों के ठोस प्रयासों की आवश्यकता है।"

एडीजी राजिंदर चौधरी ने सरकारी सेवाओं की कुशलता और इनके वितरण में सुधार के लिए मीडिया समन्वय के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "कुशल मीडिया समन्वय यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कि सरकारी सेवाएं प्रभावी और पारदर्शी तरीके से वितरित की जा सके। मीडिया, सरकार और जनता के बीच एक पुल के रूप में कार्य करता है और इसका अपनी पूरी क्षमता से लाभ उठाया जाना चाहिए।" शिमला के एडीसी श्री अभिषेक वर्मा ने हितधारकों के बीच सहयोग के सर्वोपरि महत्व पर प्रकाश डालकर एक महत्वपूर्ण आयाम जोड़ा। उन्होंने जोर देकर कहा, "स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा दोनों में यह जरूरी है कि सभी हितधारक एक साथ खड़े हों और सतर्कतापूर्वक यह सुनिश्चित करें कि हमारे नागरिकों को सर्वोत्तम सेवाएं प्राप्त हों।"

प्रधानाचार्य रतन सिंह वर्मा ने स्कूलों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम में उल्लेखनीय वृद्धि पर जोर देते हुए नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित सरकार की पहल पर अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने कहा कि इस पहल से क्षेत्र के युवाओं की रोजगार क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। स्वास्थ्य विभाग से इंदिरा पुंडीर ने आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री सहारा योजना पर चर्चा की और नशे से संबंधित और अन्य चिकित्सा संबंधी चिंताओं जैसे जननी एक्सप्रेस के लिए 102, 104 और चिकित्सा आपातकालीन हेल्पलाइन 108 सहित विभिन्न हेल्पलाइन के बारे में जानकारी दी।

वार्ता के दौरान एक महत्वपूर्ण चर्चा विकसित भारत संकल्प यात्रा के आगामी शुभारंभ पर हुई, जो 15 नवंबर, 2023 को शुरू होने वाली सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें पहले चरण में हिमाचल प्रदेश के चंबा, किन्नौर और स्पीति सहित तीन आदिवासी जिलों को शामिल किया जाएगा।

विश्व कप 2023 : सेमीफाइनल के करीब न्यूजीलैंड, श्रीलंका को 5 विकेट से हराया

फोटो-आईसीसी

बेंगलुरु. न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए विश्व कप 2023 के 41वें मुकाबले में 5 विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड की टीम सेमीफाइनल के काफी करीब पहुंच गई है।

श्रीलंका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.4 ओवर में 171 रन ही बना सकी। इसके जवाब में न्यूजीलैंड ने 160 गेंद शेष रहते पांच विकेट पर 172 रन बनाकर ये मैच जीता। न्यूजीलैंड की ओर से डेवोन कॉनवे ने 45 रन बनाए।

172 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड को डेवोन कॉनवे और रचिन रवींद्र ने धमाकेदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी हुई। कॉनवे 42 गेंद में 45 रन बनाकर आउट हुए। चमीरा ने उन्हें आउट किया। रचिन रवींद्र ने 34 गेंद में 42 रन बनाए। तीक्षणा ने उन्हें कैच आउट करवाया। कप्तान केन विलियमसन 15 गेंद में 14 रन बनाकर आउट हुए। मार्क चैपमैन रन आउट हुए। डेरिल मिचेल 31 गेंद में 43 रन बनाकर आउट हुए।

श्रीलंका की ओर से कुसल परेरा ने 51 रन की दमदार पारी खेली। उन्होंने विश्व कप 2023 का सबसे तेज अर्धशतक लगाया। श्रीलंका की टीम ने 128 के स्कोर पर ही नौ विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद तीक्षणा और मदुंशका के बीच अंतिम विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी हुई। तीक्षणा 38 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड के लिए ट्रेंट बोल्ट ने तीन, लॉकी और सैंटनर को 2-2 विकेट मिला।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत प्रदेश स्तरीय समागम 23 को

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने बताया कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत होशियारपुर में प्रदेश स्तरीय समागम 23 नवंबर को लाजवंती स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें सामाजिक सुरक्षा, महिला व बाल विकास मंत्री डा. बलजीत कौर मुख्य मेहमान के तौर पर शिरकत करेंगे। वे आज जिला प्रशासकीय कांप्लेक्स में कार्यक्रम की तैयारियों संबंधी अलग-अलग विभागों के अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनके साथ एस.पी मंजीत कौर, सहायक कमिश्नर(सामान्य) व्योम भारद्वाज, जिला प्रोग्राम अधिकारी हरदीप कौर भी मौजूद थे।

डिप्टी कमिश्नर ने इस दौरान अलग-अलग विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि समागम की तैयारियों को लेकर किसी तरह की कोई कमी न रहे। उन्होंने बताया कि समागम के दौरान जिले भर से लोग आएंगे, इस लिए ट्रैफिक, सुरक्षा, सफाई, पीने के पानी संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर पहले से ही तैयारी कर ली जाए। उन्होंने बताया कि समागम के दौरान स्कूलों के बच्चों के पोस्टर मेकिंग मुकाबले करवाए जाएंगे। इसके अलावा मुख्य मेहमान की ओर से 51 नव जन्मी बच्चियों, 21 गर्भवती महिलाओं, 30 हैल्दी बेबी शो के बच्चों, गर्ल अचीवर्स को सम्मानित भी किया जाएगा।

पंजाब सरकार द्वारा मनायी जा रही 'जल दिवाली- वुमन फॉर वॉटर, वॉटर फॉर वुमन' मुहिम

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब सरकार द्वारा राज्य में जल दिवाली 7 नवंबर, 2023 से 9 नवंबर, 2023 तक पंजाब में मनायी गई है। आज समाप्ति वाले दिन नगर निगम, एस. ए. एस. नगर, बठिंडा में रामां, राजपुरा में गंडा खेड़ी और रूपनगर में ज्ञानी जेल सिंह नगर की टीमों द्वारा 150 से अधिक महिलाओं के सेल्फ हेल्प ग्रुप द्वारा 5 नंबर वॉटर ट्रीटमेंट प्लांटस का दौरा करवाया गया। यह जानकारी स्थानीय निकाय विभाग के डायरैक्टर उमा शंकर गुप्ता द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि यह पहलकदमी 'वुमन फॉर वॉटर एंड वॉटर फॉर वुमन मुहिम' के अंतर्गत आज पीने वाले पानी के ट्रीटमेंट प्लांटों में आयोजित की गई। अलग-अलग सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं ने वॉटर ट्रीटमेंट प्लाट का दौरा किया और पीने वाले पानी को शुद्ध करने और बाँटने की प्रक्रिया को प्रभावशाली ढंग से समझा।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.